

## इस अंक में...

8 | प्रतिकूलता के क्षण में विवेक और धैर्य सच्चे साथी

9 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

## 19 | आर्थिक घटना संग्रह

- वर्ष 2027 तक जनसंख्या में चीन को पीछे छोड़ देगा भारत
- एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में निजी क्षेत्र का निवेश
- कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत अंशदान में कमी की गई

## 23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- नरेन्द्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली
- शहीदों के बच्चों को प्रदत्त छात्रवृत्ति में वृद्धि
- जगनमोहन रेड्डी बने आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री
- देवी अहिल्या बाई होल्कर हवाई अड्डा

## 27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- शंघाई सहयोग संगठन में आतंकवाद पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत समेत पूरे विश्व ने किया योग
- प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति चुने गए

## 31 | खेल खिलाड़ी

- विश्व के 100 उच्चतम भुगतान पाने वाले एथलीटों की सूची, 2019



- भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह का अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास
- विराट कोहली बने वनडे में सबसे तेज 11 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज
- लक्ष्मी अम्माल मेमोरियल 11वाँ अखिल भारतीय हॉकी टूर्नामेंट, 2019

## 35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

### लेख

- 38 | सामयिक लेख—जल संकट बनता महासंकट
- 39 | कैरियर लेख—एस.एस.बी. : सेना के तीनों अंगों के लिए क्या ? क्यों और कैसे ?
- 41 | वैज्ञानिक लेख—क्लाउड कम्प्यूटिंग : एक उभरता हुआ कैरियर
- 67 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 68 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-112 का परिणाम
- 69 | रोजगार अवसर
- 71 | समसामयिक घटनाएं

### हल प्रश्न-पत्र

- 42 | एस.एस.सी. मल्टी टॉसकिंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ भर्ती परीक्षा, 2017
- 48 | हरियाणा सब-इंस्पेक्टर पुलिस परीक्षा, 2018
- 53 | हरियाणा पुलिस कॉस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2018
- 59 | आगामी उत्तराखण्ड समूह 'ग' भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 64 | कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स (CCC) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे—इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सबसेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस  
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने  
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005  
फोन- 4053333, 2531101, 2530966  
फैक्स- (0562) 4053330  
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in  
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in
- दिल्ली ऑफिस  
4845, अंसारो रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली-110 002  
फोन- 011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस  
पारस भवन (प्रथम तल),  
खजांची रोड,  
पटना- 800 004  
फोन- 0612-2303340  
मो- 09334137572
- कोलकाता ऑफिस  
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.  
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकर,  
कोलकाता- 700 003 (W.B.)  
फोन- 033-25551510
- हल्द्वानी ऑफिस  
8-310/1, ए. के. हाउस  
हीरानगर, हल्द्वानी,  
जिला-नैनीताल- 263 139  
(उत्तराखण्ड)  
मो- 07060421008
- हैदराबाद ऑफिस  
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा  
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड  
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036  
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283
- लखनऊ ऑफिस  
B-33, ब्लॉट स्क्वायर, कानपुर  
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवईया,  
लखनऊ- 226 004  
फोन- 0522-4109080  
मो- 09760181118
- नागपुर ऑफिस  
1461, जूनी शुक्रवारी,  
सक्करदरा रोड, हनुमान  
मन्दिर के सामने,  
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)  
मो- 09370877776
- इन्दौर  
30-31, जिन्सी हाट मैदान,  
बाबा रामदेव मंदिर के निकट  
मलहारगंज  
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)  
फोन- 9203908088



# प्रतिकूलता के क्षण में विवेक और धैर्य सच्चे साथी

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

*Patience is not about waiting, but the ability to keep a Good Attitude while waiting.*

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में प्रतिकूलताओं के क्षण आते ही हैं और अनुकूलता के अवसर भी आते हैं। अध्ययन, अध्यवसाय, स्वास्थ्य, व्यापार, सामाजिक सम्बन्धों, राजनीति, शासन-प्रशासन में अनेक बार प्रतिकूलताएं उत्पन्न होती हैं, ऐसे अवसरों पर प्रायः निकट सम्बन्धी भी साथ छोड़ देते हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में कौन हमारा साथी है। लाखों वर्षों से मनुष्यों ने इस बात की खोज की कि कौन साथी है? कौन सच्चा साथी है? जब तन में, धन में, मन में, सब जगह भेद पड़ रहे हों, तब कौन सच्चा साथी है और तब अनुभवी ज्ञानी पुरुषों ने हमें बताया कि ऐसे क्षणों में भी तुम्हारे सच्चे साथी हैं—विवेक और धैर्य। धैर्य विपत्ति का सच्चा साथी है और विवेक इस प्रतिकूलता के क्षणों में भी गलत कार्य करने से आपको रोकेगा, प्रतिक्रिया में जाने से रोकेगा, आत्महत्या के विचारों से रोकेगा, आक्रामक होने से रोकेगा, आतंकी बनने से रोकेगा। अन्यथा प्रतिकूलता आपको आतंकी भी बना सकती है, हिंसक बना सकती है, उग्र बना सकती है, क्रोधी बना सकती है, कलह-क्लेश करने वाला बना सकती है। प्रतिकूलता के क्षणों में आदमी अत्यधिक प्रतिक्रियाशील बन सकता है, लेकिन अगर आपके पास विवेक और धैर्य है, तो आप प्रत्येक तरह की प्रतिकूलताओं में भी गुजर जाओगे और धैर्यपूर्वक विकसित होकर बाहर आओगे। विवेक और धैर्य हमारे सच्चे साथी हैं। जरा खोजो अपने आपके भीतर धैर्य कितना, विवेक कितना। कहीं ऐसा तो नहीं अविवेक की प्रेरणा करने लग जाएं, प्रतिकूलताओं को मारने दौड़

जाएं। कई लोग होते हैं, जो प्रतिकूलता देने वाले निमित्त बनते हैं। उन्हीं को मारने के लिए छोड़ते हैं, काटने के लिए दौड़ते हैं। उन्हीं को पूरी दुनिया के सामने एकसपोज करना चाहते हैं कि इन्होंने मेरे साथ ऐसा किया, उन्होंने मेरे साथ ऐसा किया, मैं ऐसा नहीं था इन्होंने मेरे को झूठा इल्जाम लगाया, गलत लगाया और ये खुद तो झूठ बोलते हैं, चोरी करते हैं, धन इकट्ठा करते हैं और मेरा धन खाकर बैठे हैं और मुझे कुछ देते नहीं हैं। भाई होकर भी मेरा ऐसा अपमान करता है, पिताजी भी मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं। दुश्मनों की तरह रहते हैं। प्रतिकूलता के क्षणों में आदमी कुछ भी कर सकता है, लेकिन ऐसे क्षणों में अगर विवेक हो, तो निमित्त सदा निर्दोष है। ये सब अवरोध बन करके आये हैं। हकीकत तो यह है कि मेरी जीवन यात्रा को इन पथों से गुजर करके अपने लक्ष्य तक पहुँचना है। गर्भनिर्जरात के लिए ये घटनाएं मेरे सामने आ रही हैं और अगर कुछ भी न बचे तब भी मैं रहूँगा, अस्तित्व अमर है। आत्मा की योग्यता अमर है, आत्मा का विश्वास अमर है। ये विवेक जिसके पास रहेगा वह प्रतिकूलताओं को न मारेगा, न प्रतिपक्षी के खिलाफ जाएगा। वह विवेकपूर्वक अपने आपको धैर्य में रखेगा और प्रतिकूलता के कारणों को खोजेगा और अपने भीतर में उन कर्मों को निर्जरा करने के लिए जाग्रत पुरुषार्थ करेगा, स्वयं को उन चीजों से बचाएगा, जो प्रतिकूलताओं में और प्रतिकूलताओं को पैदा करने वाली होती हैं। प्रतिकूलता में प्रतिकूलता पैदा करती हैं। शिकायतें नजरिया प्रतिकूलता के क्षण में प्रतिकूलता पैदा करती हैं। शंकाएँ, अविश्वास, क्रोध और अपने मन से निकली हुई दुर्भावनाएँ, बद्दुआएँ, ये प्रतिकूलता में प्रतिकूलता को बढ़ाती जाती हैं। अगर आपके साथ विवेक

है, तो आप प्रतिकूलताओं में नई प्रतिकूलताओं को नहीं बढ़ाओगे। यानि नया प्रतिबन्ध नहीं करोगे, धैर्य है, तो प्रतिकूलता के क्षण में अपने आपको टिका के रखोगे और हरएक क्षण में धैर्यवादी बनते जाओगे। हरएक क्षण में इस जगत् के निरीक्षण करने की क्षमता को विकसित करते जाओगे। हरएक क्षण में अपने आपको समझते जाओगे। हरएक क्षण में प्राप्त निमित्तों के विज्ञान को समझते जाओगे। हरएक क्षण में प्रकृति के संगीत को सुनते जाओगे, संकेतों को देखते जाओगे, समझते जाओगे और जैसे-जैसे हरएक क्षण में प्रकृति के संकेतों को समझते जाओगे आप प्रज्ञावान हो जाओगे और प्रतिकूलताओं से गुजर कर संबद्ध हो जाओगे। विवेक और धैर्य ये दो सच्चे साथी हैं। देखो हमारे सबके पास हैं। दो सच्चे साथी हम अपने सच्चे साथियों का आदर करें। ये जिन्दगी के हर मोड़ पर सदा साथ देते हैं।